

21/25 कलम करणे के अतिर धकार प्रधा  
दे अतना चहूँही पगा वी नहि  
प्रकार प्रधा ही 21/25 को ये मद्य

धामधर श्रील जाला एतिका रणी श्रील  
जाला क जाला स्वपं को लक रुकु  
का आरमि लगवाइ छारे। पदु धानि  
ही मद्य) श्रील जाला की अरुध  
दपरी क अरुध पैली के प्रधा  
मौमुडा करुने खाप किया वावाही  
पत्रावरी फेवरे के मुगल वंगी दावद



अरुध श्रील मुनामा मया

  
अरुध जविकारी  
रायसिंहनगर

